श्री गुरुचरणकमलेभ्यो नमः

महाकुम्भ मेला -२०२५

०८-०२-२०२५ -१५-०२-२०२५

साधक या साधिकायें स्नान आदि से निवृत्त होकर सामने गुरु का चित्र लगाकर पंचोपचार पूजन करें और गुरु मंत्र का जप कर निम्न साधना को आरंभ करे |

१) गया प्रदेश-मंगलगौरी शक्ती पीठ - महागौरी साधना:

मंत्र: || ॐ सर्वमंगलमांगल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके शरण्ये त्र्यम्बके गौरी नारायणि नमोस्तुते ||

जप संख्या: २१ बार

विधान: मुंगा मणि रुद्राक्ष की माला से निम्न मंत्र का ३ माला जप करें। यदि आप इसे घर पर कर रहे हैं, तो तीन सोमवार ५ माला जप करना होगा।

- यह साधना पूर्ण गृहस्थ सुख, कुंवारी कन्याओं को श्रेष्ठ वर की प्राप्ति, संतान सुख, गृह-कलह से मुक्ति गृह शांति आदि के लिए की जाती है।
- घर पर केवल दूध या फलाहार ही ग्रहण करें।
- पूजन के लिए स्वेत वस्त्र, उमा-महेश्वर का चित्र और शिवलिंग की पूर्ण पूजन कर और बिल्वपत्र आदि चढ़ाएं।

मंत्र: || ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं महागौरी विद्महे शिवशक्ति धीमहि तन्नो देवी प्रचोदयत् ||

सामग्री: उमा-महेश्वर का चित्र और शिवलिंग , मुंगा मणि रुद्राक्ष माला

जप संख्या: मंगलगौरी शक्ती पीठ मे ३ माला / घर पर कर रहे हैं, तो तीन सोमवार ५ माला करना है |

२) गया या प्रयागराज नदि तट या आश्रम में

पितृ दोष निवारण प्रयोग

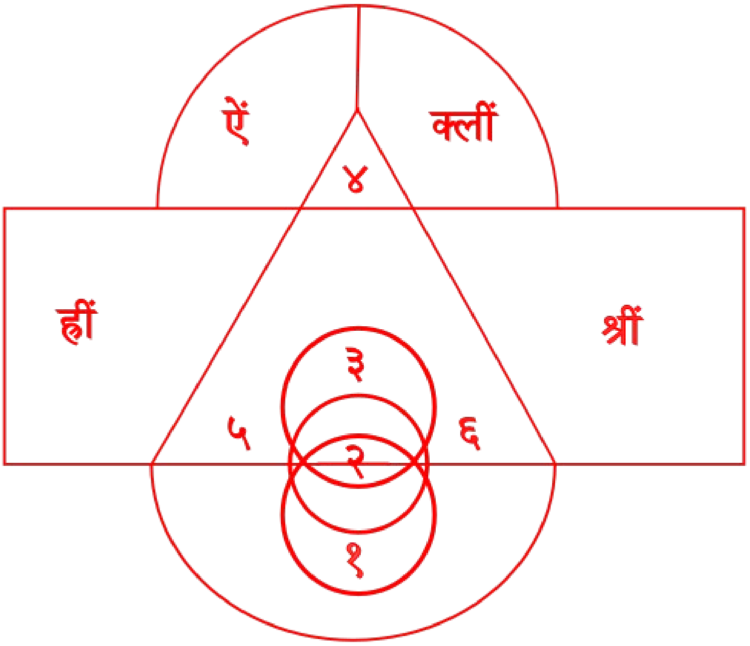

पितृ दोष निवारण यंत्र

विधान:पश्चिम दिशा में सफेद वस्त्र धारण कर, चना दाल से सफेद कपड़े पर यंत्र उतारे। तीर्थ स्थान पर कोई भी समय, ३ या ५ माला जप करे। यंत्र पर लघु नारियल रखकर, उसकी पितृ रूप में कुंकुमादि भस्म से पूजन करे। घर पर प्रयोग करना हो तो शनिवार के दिन प्रारंभ करे और ११ दिन तक नित्य ११ माला जप करे। मिट्टी के पात्र में धान बो दे और ११ दिन तक नित्य पानी छिडके, ११ दिन बाद समस्त सामग्री विसर्जित करे।

मंत्र: || ॐ श्रीं सर्व पितृ दोष निवारणाय क्लेशं हन हन सुख शांतिं देहि फट् स्वाहा |

सामग्री: चिन्कार माला / चन्दन कि माला, चना दाल, लघु नारियल

जप संख्या: तीर्थ स्थान पर ३ या ५ माला / घर पर ११ दिन ११ माला

****